ગુજરાત શૈક્ષણિક સંશોધન અને તાલીમ પરિષદ, ગાંધીનગરના પત્ર-ક્રમાંક
જીસીઈઆરટી / અભ્યાસક્રમ / 2012 / 12260, તા. 5-7-2012–થી મંજૂર

शिक्षक एवं अभिभावक के लिए
अलग से शिक्षक-संदर्शिका का निर्माण
किया गया है, उसका अवश्य उपयोग कीजिए।

हिन्दी

कक्षा 8

(द्वितीय भाषा)

(द्वितीय सत्र)

प्रतिज्ञापत्र

भारत मेरा देश है।
सभी भारतवासी मेरे भाई-बहन हैं।
मुझे अपने देश से प्यार है और इसकी समृद्धि तथा बहुविध
परम्परा पर गर्व है।
मैं हमेशा इसके योग्य बनने का प्रयत्न करता रहूँगा।
मैं अपने माता-पिता, अध्यापकों और सभी बड़ों की इज्जत करूँगा
एवं हर एक से नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा।
मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि अपने देश और देशवासियों के प्रति एकनिष्ठ रहूँगा।
उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

કિંમત : ₹ 20.00

નિર્માણ
ગુજરાત શૈક્ષણિક
સંશોધન અને તાલીમ પરિષદ
ગાંધીનગર

મુદ્રણ
ગુજરાત રાજ્ય શાળા
પાઠ્યપુસ્તક મંડળ
ગાંધીનગર

© गुजरात शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, गांधीनगर
इस पाठ्यपुस्तक के सर्वाधिकार गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल के अधीन हैं।
इस पाठ्यपुस्तक का कोई भी अंश किसी भी रूप में गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल के निदेशक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

निर्माण-संयोजन
डो. टी. एस. जोशी
डो. के. आर. झांझरुकिया
हरेश चौधरी
इकबाल डी. वोरा
चंद्रेश पाल्लीआ

कन्वीनर
प्रकाश सोनी

सह-कन्वीनर
डो. जे. बी. जोशी
डो. सुमनबहन पंड्या

लेखन-संपादन
डॉ. संजय तलसाणिया
रेवाभाई प्रजापति
हितेशकुमार नायक
रमेशभाई परमार
मीनाबहन कापडी
मंगलभाई गोहिल
गोविंदभाई रोहित
असलमशा फकीर
झनुभाई संगाड़ा
विनोदभाई पटेल
अश्विनभाई पटेल
नुरोद्दीन शाह
सुभाषचंद्र पटेल
दीक्षिताबहन ठक्कर
डॉ. भगवानभाई पटेल
नीलेशकुमार वाघेला
घनश्यामसिंह महिडा
रमणभाई परमार
पारुलबहन पंड्या
दिनेशचंद्र परमार

समीक्षा
डॉ. रवीन्द्र अंधारिया
महेशभाई उपाध्याय

चित्रांकन
भरत अग्रावत
ज्योति खत्री
अश्विन सरवैया
हरेश गोहेल

टाइटल डिझाइन
धर्मेश चावडा

मुद्रण-आयोजन
श्री हरेश एस. लीम्बाचीया
(नायब नियामक : उत्पादन)

प्रस्तावना

प्राथमिक शिक्षा में RTE-2009 और NCF-2005 के तहत पाठ्यचर्चा (Curriculum), पाठ्यक्रम (Syllabus), पाठ्यपुस्तकें और शिक्षा-प्रक्रिया में बदलाव लाना अनिवार्य हो गया है । यह बदलाव मुख्यत: विषयवस्तु और शिक्षा-प्रक्रिया की हमारी समझ के बारे में है । छात्रों में सर्जनशीलता, विचारशक्ति, तर्कशक्ति और पृथक्करण करने का कौशल विकसित हो और इसके तहत छात्रों का सर्वांगीण विकास हो यही नई पाठ्यचर्चा के प्रमुख उद्देश्य हैं । इस पाठ्यपुस्तक को अनुभव, चिंतन, उपयोजन और निष्कर्ष जैसे सोपानोंवाली गतिविधियों के जरिए शिक्षा-प्रक्रिया को अध्येताकेन्द्री बनाने का प्रयास किया गया है।

छात्रों को बार-बार व्यक्तिगत रूप से और सामूहिक रूप से छोटे-बड़े समूह में काम करने का और पढ़ने का अवसर प्राप्त हो और अध्यापन-प्रक्रिया में मददरूप बन सके ऐसी पाठ्यपुस्तकें रचने की कोशिश की गई है । पाठ्यपुस्तक भी एक सहज उपलब्ध अध्ययन-सामग्री है । पाठ्यपुस्तक के जरिए प्रवृत्तिलक्षी शिक्षा को नये तौर पर प्रस्तुत की गई है । उसके द्वारा अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया रुचिकारक होगी ।

इस समग्र निर्माण-प्रक्रिया में माननीय अग्रसचिवश्री शिक्षण एवं माननीय अग्रसचिवश्री प्राथमिक शिक्षण की ओर से निरंतर प्रेरणा और प्रोत्साहन मिल रहा है ।

इस सारी प्रक्रिया में IGNUS-erg टीम के सदस्यों ने भी स्टेट रिसोर्स ग्रुप के सदस्यों को मार्गदर्शित किया है । इस सारी प्रक्रिया में UNICEF का सहयोग मिला है । कोर ग्रुप के सदस्यों ने भी सहयोग दिया है।

आजमाइश के बाद गुजरात राज्य की सारी पाठशालाओं के लिए तैयार की गई। कक्षा 6 से 8 तक की इन पाठ्यपुस्तकों को क्षतिरहित बनाने का प्रयास किया गया है, फिर भी कोई क्षति रह गई हो तो कृपया ध्यान दिलाएँ ।

एम. टी. शाह	**एच. के. पटेल GAS**
निदेशक	निदेशक
जीसीईआरटी	गु.रा.शा.पा. मंडल
गांधीनगर	गांधीनगर

दिनांक : 1-7-2013

प्रथम संस्करण : 2012,द्वितीय संस्करण : 2013
प्रकाशक : गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, 'विद्यायन', सेक्टर 10-ए, गांधीनगर की ओर से एच. के. पटेल, निदेशक
मुद्रक :

मूलभूत कर्तव्य

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –*

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करनेवाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आवाहन किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले।

* भारत का संविधान : अनुच्छेद 51–क

अनुक्रमणिका

क्रम	इकाई	प्रकार	पृष्ठ-क्रमांक
1.	पत्र एवं डायरी	पत्र	01
2.	कच्छ की सैर	यात्रावृत्त	11
3.	मत बाँटो इन्सान को	कविता	16
4.	कर्मयोगी लालबहादुर शास्त्री	रेखाचित्र	19
5.	दोहे	दोहे	28
•	पुनरावर्तन 1	-	31
6.	तूफ़ानों की ओर	कविता	33
7.	हार की जीत	कहानी	38
8.	हँसना मना है	चुटकुले	46
9.	उलझन-सुलझन	पहेलियाँ	50
•	पुनरावर्तन 2	-	55